Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 15 | वृक्षाः सत्पुरुषाः इव

QUIZ PART-03

1. **वृक्षों का जन्म श्रेष्ठ क्यों माना गया है?**
   A. वे बहुत विशाल होते हैं।
   B. वे वन में रहते हैं।
   C. उनका जीवन सभी प्राणियों के लिए उपयोगी होता है।
   D. उन पर पक्षी रहते हैं। (C)

व्याख्या : वृक्षों का सम्पूर्ण जीवन सभी जीवों की सहायता करने में व्यतीत होता है।

2. **वृक्षों के पास आने वाले याचक कैसे नहीं लौटते?**
   A. प्रसन्नाः
   B. विमुखाः
   C. सन्तुष्टाः
   D. धनवन्तः (B)

व्याख्या : वृक्षों के पास आने वाले याचक खाली हाथ अथवा निराश होकर नहीं लौटते।

3. **वृक्ष लोगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार क्या देते हैं?**
   A. केवलं जलम्
   B. केवलं काष्ठम्
   C. केवलं पुष्पाणि
   D. फलानि, पुष्पाणि, छायां च (D)

व्याख्या : वृक्ष लोगों को फल, फूल, छाया तथा अन्य उपयोगी वस्तुएँ देते हैं।

4. **परोपकार के लिए कौन फलते हैं?**
   A. वृक्षाः
   B. नद्यः
   C. गावः
   D. मेघाः (A)

व्याख्या : सुभाषित में कहा गया है—"परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः।"

5. **परोपकार के लिए कौन बहती हैं?**
   A. गावः
   B. वृक्षाः
   C. नद्यः
   D. लताः (C)

व्याख्या : नदियाँ अपना जल दूसरों के उपयोग के लिए लेकर बहती हैं।

6. **परोपकार के लिए कौन दूध देती हैं?**
   A. अश्वाः
   B. गावः
   C. मृगाः
   D. सिंहाः (B)

व्याख्या : गायें दूसरों के हित के लिए दूध प्रदान करती हैं।

7. **हमारा शरीर किस उद्देश्य के लिए होना चाहिए?**
   A. केवलं भोजनाय
   B. केवलं निद्रायै
   C. मनोरञ्जनाय
   D. परोपकाराय (D)

व्याख्या : सुभाषित का संदेश है कि हमारा शरीर भी दूसरों की सहायता के लिए होना चाहिए।

8. **वृक्ष अपने फलों के साथ क्या करते हैं?**
   A. स्वयं न खादन्ति
   B. स्वयं सर्वाणि खादन्ति
   C. भूमौ क्षिपन्ति
   D. गृहे स्थापयन्ति (A)

व्याख्या : वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाते; दूसरे प्राणी उनका उपयोग करते हैं।

9. **नदियों के जल का उपयोग कौन करते हैं?**
   A. केवलं नद्यः
   B. केवलं वृक्षाः
   C. अन्ये प्राणिनः
   D. केवलं मेघाः (C)

व्याख्या : नदियों का जल अन्य मनुष्य और प्राणी अपने उपयोग में लेते हैं।

10. **पाठ के अनुसार हमारा जीवन कैसा होना चाहिए?**
    A. केवल स्वार्थ के लिए
    B. दूसरों के उपकार के लिए
    C. केवल धन कमाने के लिए
    D. केवल मनोरंजन के लिए (B)

व्याख्या : वृक्ष, नदी और गाय के समान हमारा जीवन भी परोपकार के लिए होना चाहिए।